सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-233
23/05/2017

गॉधीजी के विचारों में ही समाधान है, उनकी बातें आज भी प्रासांगिक हैं :– मुख्यमंत्री

पटना, 23 मई 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज स्थानीय होटल मौर्या में आयोजित चम्पारण सत्याग्रह के 100 साल के अवसर पर प्रभात खबर द्वारा 'गॉधी की राह, देश की जरूरत' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर संगोष्ठी को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने सबसे पहले प्रभात खबर को इस आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि महात्मा गॉधी के चम्पारण सत्याग्रह के 100 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2017–18 को चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कड़ी में 10–11 अप्रैल 2017 को दो दिवसीय राष्ट्रीय विमर्श का कार्यक्रम किया गया, जिसमें देश भर से प्रख्यात गॉधीवादी विचारकों ने गॉधीवादी ज्ञान और दर्शन के बारे में अपने विचारों को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस पूरे कार्यक्रम में हमारी युवा पीढ़ी उपस्थित रही और उन्होंने न केवल उन विचारों को सुना बल्कि ऐसा प्रतीत हुआ कि युवा पीढ़ी की इसमें पूर्ण सहभागिता थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 अप्रैल वह ऐतिहासिक दिन था, जिस दिन गॉधी जी चम्पारण जाने के लिए पटना पधारे थे। वे पटना से मुजफ्फरपुर गये थे, वहॉ पर कुछ दिन ठहरे थे, इसके पश्चात वे मोतिहारी गये थे। वहॉ जो कुछ भी हुआ उससे आप सभी अवगत है। उन्होंने कहा कि राजकुमार शुक्ल ने गॉधीजी को आमंत्रित किया था। गॉधीजी ने उनका आमंत्रण स्वीकार किया था। गॉधीजी के चम्पारण सत्याग्रह ने जो रूप धारण किया, इससे न सिर्फ इस क्षेत्र में हो रहे किसानों पर अत्याचार समाप्त हुआ बल्कि इससे पूरे देश में संदेश पहुॅचा। उन्होंने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह का पूरे आजादी के इतिहास में विशिष्ट योगदान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने चम्पारण सत्याग्रह के 100 साल पूरा होने के अवसर पर अनेक कार्यक्रम अब तक आयोजित किये हैं। 11 अप्रैल को मुजफ्फरपुर में भी चम्पारण सत्याग्रह स्मृति समारोह आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि 18 अप्रैल 1917 को मुजफ्फरपुर कोर्ट में ही गॉधीजी की पेशी हुई थी, जहॉ गॉधीजी के तर्क और अपार समर्थन को देखते हुये उन्हें बिना जमानत के छोड़ना पड़ा था, साथ ही साथ मुकदमा भी उठाना पड़ा था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष के सिलसिले में 17 अप्रैल 2017 को पटना में देश भर के स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया और खुब उत्साह के साथ वे लोग पटना में आये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह के शताब्दी समारोह में हमारा मुख्य उद्देश्य है गॉधीजी के विचारों को घर–घर पहुॅचाना। उन्होंने कहा कि गॉधीजी को सब मानते है, पर गॉधीजी के विचारों को अपनाने के लिए कोई नजरिया नहीं है। उन्होंने कहा कि हम बापू के विचारों को लेकर घर–घर दस्तक देंगे। गॉधीजी के जीवन एवं उनके विचारों पर फिल्मों को प्रदर्शित किया जा रहा है। साथ ही गॉधी रथ के माध्यम से हर एक गॉव एवं बसावटों तक गॉधीजी के फिल्मों का प्रदर्शन कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही महात्मा गॉधी के जीवन पर आधारित 50 कहानियों का एक संग्रह तैयार कर सभी विद्यालयों में भेजा जायेगा। जिसे प्रार्थना के तत्काल बाद छात्र–छात्राओं को बताया जायेगा ताकि वे गॉधीजी के विचारों

से अवगत हो सके। उन्होंने कहा कि गॉधीजी के जीवन एवं विचारों पर कई प्रतियोगितायें भी आयोजित होगी और पुरस्कार भी दिये जोयेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा एक ही लक्ष्य है गॉधीजी के विचारों को जन–जन तक पहुॅचाना। उन्होंने कहा कि गॉधीजी की स्थिति देवता जैसी होती जा रही है। लोग गॉधीजी की पूजा करना चाहते है। उन्होंने कहा कि गॉधीजी के बारे में अगर कोई गलत बोलता है तो लोगों को बुरा लगता है। उन्होंने कहा कि हम नई पीढ़ी तक गॉधीजी के विचारों को पहुचायेंगे और उनके विचारों को ग्रहण करने के लिए उन्हें प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर नई पीढ़ी का 10 से 15 प्रतिशत भी गॉधीजी के विचारों के प्रति आकर्षित हो जाय और गॉधीजी के विचारों को समझ ले तो आने वाले समय में समाज बदल जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गॉधीजी ने कहा था कि पृथ्वी से जो हमे कुछ मिलता है, वह हमारी आवश्यकता पूरी करने के लिए पर्याप्त है लेकिन हमारे लालच हो पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि हर आदमी की जरूरत पूरी की जा सकती है, उनकी लालच की पूर्ति नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि आज ही उन्हें पढ़ने का अवसर मिला है कि माउंट एवरेस्ट का स्वरूप बदल गया है। उन्होंने कहा कि हम लोग पर्यावरण के साथ अन्याय कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज मनुष्य की निर्भरता उपकरणों और टेक्नोलॉजी पर बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि दिन–प्रतिदिन टेक्नोलॉजी के नये–नये आयाम हमें घेरते जा रही है। स्मार्ट फोन से हम घरों में बैठकर विदेशों में रहने वाले लोग से भी विडियो कॉलिंग कर बात कर रहे है किन्तु माइक्रोवेब, इलेक्ट्रो मैगनेटिक रेडियेशन्स का प्रतिकुल प्रभाव जीव जंतुओं एंव मानव पर क्या पड़ रहा है, इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। आज घरों से गोरैया लुप्त हो गई है, गोरैया को हमलोगों ने राज्य पक्षी घोषित किया था और इसके संरक्षण का हमलोग हरसंभव प्रयास कर रहे है। पर्यावरण से छेड़छाड़ के कारण गंगा की अविरलता प्रभावित हुई है। और गंगा की निर्मलता के बिना अविरलता की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि अब तो क्लोनिंग की बात हो रही है। अब मानव क्लोन के विकास की बात चल रही है, इसका असर मानव की प्राइवेसी पर भी पड़ेगा। इसके बाद क्या बचेगा ? उन्होंने कहा कि यदि आप कुछ सोच रहे हो और सामने वाला समझ जाये कि आप क्या सोच रहे हैं तो जीवन में क्या बचेगा ? पृथ्वी को बचाना मुश्किल हो जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी सशक्तिकरण की दिशा में बिहार में बहुत काम हुआ है। बिहार पहला राज्य है, जिसनें पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों में 50 प्रतिशत स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित किया। प्रारंभिक शिक्षकों के नियोजन में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत स्थान आरक्षित किये गये। उन्होंने कहा कि बिहार पहला राज्य जहॉ 35 प्रतिशत पुलिस भर्ती में महिलाओं को स्थान आरक्षित किये गये और अब तो राज्य सरकार की सभी नियुक्तियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत स्थान आरक्षित कर दिये गये है। उन्होंने कहा कि इस साल मैट्रिक की परीक्षा में कुल शामिल विद्यार्थियों में 49 प्रतिशत छात्रायें शामिल है। उन्होंने कहा कि जीविका समूह और स्वंय सहायता समूहों के माध्यम से भी नारी सशक्तिकरण के क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य हुये हैं। उन्ही लोगों के कहने पर राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू हुई। कुछ लोग इसका मजाक उड़ाते है, इस संबंध में स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि जब कोई अच्छा काम होता है तो पहले लोग उसका मजाक उड़ाते है, फिर उसका विरोध करते है और फिर सब साथ हो जाते है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी से आगे बढ़कर बिहार ने नशाबंदी की ओर अभियान चलाया, अभियान के क्रम में मानव श्रृंखला बनायी गयी, जिसमें 04 करोड़ लोगों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि अब बाल विवाह और दहेज प्रथा के विरूद्ध सशक्त अभियान चलाया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार सत्ता का केन्द्र रहा है, यहॉ राजनैतिक आंदोलन बहुत हुये है परंतु सामाजिक आंदोलन कम हुये है। सामाजिक क्षेत्र में परिवर्तन की आवश्यकता है।

दुनिया में बहुत से सामजिक आंदोलन हुये होंगे किन्तु किसी भी सामाजिक आंदोलन के पक्ष में 04 करोड़ लोग सम्मिलित नहीं हुये होंगे। धीरे–धीरे दहेज प्रथा पर भी व्यापक असर होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गॉधीजी की प्रेरणा से बिहार में जो भी बुनियादी विद्यालय बने है, उन सभी बुनियादी विद्यालयों को जीर्णोद्धार शताब्दी समारोह का अंग होगा। उन्होंने कहा कि मोतिहारी के किसानों की बात अभी की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से जो भी किया जा सकता है, वह किया जायेगा। उन्होंने कहा कि कृषि रोड मैप का बुनियादी सिद्धांत है कि किसानों की आमदनी बढ़े, हमारे यहॉ आज भी 76 प्रतिशत लोगों की आजीविका कृषि है और 89 प्रतिशत लोग गॉव में रहते हैं। हमारे लिए किसान का मतलब सिर्फ जमीन का मालिक नहीं बल्कि जिनका भी संबंध खेती से है, उन सभी से है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गॉधीजी के विचार में ही समाधान है, उनकी बातें आज भी प्रासांगिक है और इस तरह की संगोष्ठी आवश्यक है।

इस अवसर पर महात्मा गॉधी के प्रपौत्र एवं लेखक श्री तुषार गॉधी, प्रसिद्ध गॉधीवादी विचारक एवं गॉधी संग्रहालय के सचिव डॉ0 रजी अहमद, गॉधी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष कुमार प्रशांत, वरिष्ठ पत्रकार श्री मधुकर उपाध्याय ने भी अपने–अपने विचार व्यक्त किये। स्वागत भाषण प्रभात खबर के प्रधान संपादक श्री आशुतोष चतुर्वेदी ने किया एंव धन्यवाद ज्ञापन श्री राजेन्द्र तिवारी ने किया। इस अवसर पर विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री उदय नारायण चौधरी, पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री श्याम रजक, पूर्व मंत्री एवं राजद के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 रामचन्द्र पूर्वे, सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री नित्यानंद राय, विधान पार्षद श्री संजय सिंह, श्री नीरज कुमार, श्री चन्द्रेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, आद्री के सदस्य सचिव श्री शैवाल गुप्ता, पटना विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 रासबिहारी सिंह, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 एस0पी0 सिंह, बिहार एवं झारखण्ड के पूर्व मुख्य सचिव डॉ0 विजय शंकर दूबे, नालंदा ओपेन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 आर0के0 सिन्हा सहित अनेक विद्वतजन, प्रभात खबर के सदस्यगण तथा गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******